مجموعه پوستر

محکومیت آل سعود توسط رهبری

زبان هندی

हज का अवसर, वास्तव में **गौरव**, लोगों की नज़रों में प्रतिष्ठा, दिल के प्रकाशमय होने और रचयिता के सामने गिड़गिड़ाने व शीश नवाने की ऋतु है। हज, पवित्र, **सांसारिक, ईश्वरीय** व जन कर्तव्य है।

02/09/2016

इब्राहीमी हज इस्लाम की ओर से मुसलमानों को मिलने वाला **उपहार**, **प्रतिष्ठा**, **अध्यात्म**, **एकता व महानता** का प्रतीक और दुश्मनों व बुरा चाहने वालों के सामने इस्लामी राष्ट्र की महानता और **ईश्वर की अनंत शक्ति** पर उनके भरोसे को दिखाता और **अंतरराष्ट्रीय** शक्तियों और **वर्चस्ववादियों** की ओर से मानव समाज पर थोपे गये भ्रष्टाचार व तुच्छता से उनकी दूरी को स्पष्ट करता है।

इस्लामी व एकतावादी हज, काफ़िरों के प्रति कठोर और आपस में कृपालु होने का प्रतीक और अनेकेश्वरवादियों से विरक्तता तथा मोमिनों के मध्य प्रेम, एकता व सौहार्द की जगह है।

02/09/2016

آل سعود

tvshia.com

जिन लोगों ने हज को सैर-सपाटे की हद तक **गिरा दिया है** और ईरान की मोमिन और क्रांतिकारी जनता के प्रति अपने द्वेष को, **हज के राजनीतिकरण** के दावे के पीछे छिपाया है वे वास्तव में ऐसे छोटे व **तुच्छ शैतान** हैं जो **बड़े शैतान अमरीका के हितों** के लिए ख़तरा पैदा होने पर कांपने लगते हैं।

02/09/2016

آل سعود الشجرة الملعونة

इस साल **अल्लाह** की राह और **काबे के रास्ते को बंद करने वाले** सऊदी अधिकारी, जिन्होंने ईरानी हाजियों को काबा जाने से रोक दिया, वास्तव में काली करतूतों वाले **भ्रष्ट शासक** हैं जो अपनी अन्यायपूर्ण सत्ता को, विश्व साम्राज्य के समर्थन, **ज़ायोनिज़्म और अमरीका** के साथ दोस्ती और उनके आदेशों के पालन पर निर्भर समझते हैं और इसके लिए किसी भी प्रकार की **ग़द्दारी** में तनिक भी संकोच नहीं करते।

02/09/2016

मिना की दुखद त्रासदी को लगभग एक साल हो गया कि जिस में ईद के दिन और हज की विशेष पोशाक, तेज़ धूप, प्यास की दशा में असहाय होकर हज़ारों हाजी मारे गये थे और उससे कुछ पहले भी काबे में उपासना, परिक्रमा व नमाज़ के दौरान बहुत से हाजियों को अपनी जान से हाथ धोना पड़ा था। सऊदी अधिकारी दोनों दुर्घटनाओं के ज़िम्मेदार हैं।

02/09/2016

कुछ विशेषज्ञों ने इस **दुर्घटना** के पीछे **साज़िश** की आशंका भी प्रकट की है। ईदुलअज़हा के अवसर पर ईश्वर के नाम और उसके संदेश का जाप करने वाले घायल व मरते हाजियों को बचाने में निश्चित रूप से **घोर लापरवाही** बरती गयी है। **निर्दयी व अपराधी** सऊदी अधिकारियों ने इन घायल हाजियों को मर जाने वाले हाजियों के साथ कंटेनरों में **बंद कर दिया** और उनका उपचार करने और उन्हें **पानी** पिलाने के बजाए उन्हें शहीद कर दिया।

2/09/2016

آل سعود الشجرة الملعونة

सऊदी नेता, माफ़ी मांगने और खेद प्रकट करने तथा इस भयानक त्रासदी के सीधे ज़िम्मेदारों को सज़ा देने के बजाए, बड़ी निर्लज्जता के साथ अंतर्राष्ट्रीय इस्लामी जांच समिति के गठन तक पर तैयार नहीं हुए और दोषी के रूप में कटघरे में खड़े होने के बजाए, दावेदार बन बैठे।

02/09/2016

آل سعود الشجرة الملعونة

ज़ायोनियों और अमरीका के प्रति अपने व्यवहार से **इस्लामी जगत के लिए कलंक** बने **राजनेताओं**, ईश्वर से न डरने वाले, हराम खाने वाले और **कुरआन व हदीस के विपरीत फ़तवा** देने वाले **मुफ्तियों** और उन मीडिया एजेन्टों सहित कि जिनका कर्तव्यबोध भी उन्हें झूठ फैलाने और झूठ बोलने से नहीं रोक पाता, सऊदी शासकों के सभी **प्रचारिक भोंपू**, इस साल ईरानियों को हज से वंचित करने का ज़िम्मेदार, इस्लामी गणतंत्र ईरान को दर्शाने की **नाकाम कोशिश** कर रहे हैं।

02/09/2016

अधर्मी शासकों ने **तकफ़ीरी व आतंकवादी गुटों** को बना कर और उन्हें सशस्त्र करके **इस्लामी जगत को** गृहयुद्धों और बेगुनाहों की हत्या और ख़ून में डाल दिया है और यमन, इराक़, सीरिया व लीबिया तथा अन्य देशों को **रक्तरंजित** कर दिया है।

02/09/2016

अधर्मी शासक जिन्होंने मिना महात्रासदी को जन्म दिया और मक्का व मदीना के पवित्र स्थलों के सेवकों का रूप धार कर इन स्थलों की पवित्रता व शांति को भंग करने वाले और ईद के दिन और उससे पहले काबे में ईश्वर के अतिथियों की बलि चढ़ाने वाले सऊदी शासक अब हज को राजनीति से दूर रखने की बात कर रहे हैं और दूसरों को उन पापों का ज़िम्मेदार बता रहे हैं जो उन्होंने खुद किए हैं।

02/09/2016

ये (आले सऊद) क़ुरआने मजीद की इन आयतों को **यथार्थ** करते हैं कि जिनमें कहा गया हैः और जब उसे सत्ता मिलती है तो वह धरती पर **भ्रष्टाचार व ख़राबी** फैलाने का प्रयास करता है, खेतियां और नस्ल **तबाह** करता है और अल्लाह फ़साद पसंद नहीं करता। और जब उससे कहा जाता है कि अल्लाह से डर तो **अहंकार** उसे पाप की तरफ़ ले जाता है तो उसके लिए **नर्क** काफ़ी है और वह **बहुत बुरा ठिकाना** है।

02/09/2016

इस साल हज की रिपोर्ट के अनुसार ईरानी और कुछ अन्य देशों के हाजियों का रास्ता बंद के अलावा दूसरे देशों के हाजियों को अमरीका और ज़ायोनी शासन की ख़ुफिया एजेन्सियों के सहयोग से अभूतपूर्व निगरानी में रखा गया है और अल्लाह के सुरक्षित घर को सबके लिए असुरक्षित बना दिया गया है।

02/09/2016

tvshia.com